हमारे एम.एल.सी. के लिए एक यौन शोषण नीति बनाना

जैसे ही एक नया दशक का आरम्भ हुआ, एम.एल.सी. के अंतर्राष्ट्रीय संगठन के लिए नेतृत्व दल कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएँ हमारे मरयानिष्ट अयाजक समुदायों की वृद्धि एवं विकास का समर्थन करने की पहल करना शुरू किया।

उनमें से एक है दुनिया भर में हमारे अयाजक समुदायों के लिए यौन शोषण नीति विकसित करना है। इस विगत अक्टूबर में, वेटिकन डिकास्टेरी कार्यालय के अनुरोध पर, अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने ''नाबालिगों के संरक्षण के लिए नीति और चर्च में यौन दुर्व्यवहार के खिलाफ कमजोर व्यक्तियों के लिए'' एक मसौदा प्रस्ताव पेश किया।

जब वेटिकन ने पहली बार हमारी नीति पूछी, तब मुझे आश्चर्य हुआ कि हमारी उपयुक्त भूमिका क्या थी। हमारे अधिकांश मरयानिष्ट अयाजक समुदाय लोगों को रोजगार नहीं देते हैं, न ही वे बच्चों को सेवकाई प्रदान करते हैं। लेकिन जब हमने इसके बारे में बात की, तब हमने पारिवारिक कार्यक्रमों और रिट्रीट की पेशकश किया, और बार–बार हम वयस्क कार्यक्रमों का आयोजन करते है ताकि स्वयंसेवकों द्वारा बच्चों की देखभाल की जा सके।

एक तरह से, नीति हमारे समुदायों के लिए एक शैक्षिक उपकरण बन गई है, जो हमारे सदस्यों को उन बच्चों को जिन्हें हम जानते नहीं है के साथ सर्वोत्तम तरीकों द्वारा बातचीत करके उन्हें जागरूक बना सक, एवं ऐसे लोगों का समर्थन करने कर सके जो वर्तमान या अतीत के अपमानजनक रिश्तों में हैं, और ज्ञान हो कि कोई दोस्त हमारे साथ दुर्व्यवहार की घटना को स्वीकार करता है तो ऐसी स्थिति को कैसे संभालना है।

हमने अपने प्रारूप को बनाने के लिए कई स्त्रोतों की समीक्षा कीः

- बाल संरक्षण विवरणों के लिए वेटिकन दिशानिर्देश।
- Archdiocese of Kansas City, Kansas (USA) के लिए बाल संरक्षण नीति।
- Archdiocese of Cincinnati, Ohio (USA) के लिए बाल संरक्षण नीति।
- बच्चों और कमजोर व्यत्तियों के लिए संरक्षण नीति, अमेरिका प्रांत के मरयानिष्ट।
- विश्वसनीय आवाज, विश्वसनीय काथलिको के एक मरयानिष्ट अयाजक समुदाय, जिन्होनें 2002 में काथलिक चर्च में यौन शोषण संकट की प्रतिक्रिया जाहिर की।
- संयुक्त राज्य सम्मेलन के कैथोलिक बिशप का उल्लेख।
- नेशनल कैथोलिक संवाद–दाता से ऑनलाइन उल्लेख।

हम चाहते है कि नीति मौलिक और सुचनात्मक हो। हम यह भी चाहते है कि यह हमारे स्थानीय चर्च और प्रदेश के माध्यम से उपलब्ध वर्तमान संपदा का निर्माण कर सके, ताकि हमें शून्य से कार्यक्रम बनाने की जरूरत न पड़े। हमने महसूस किया कि नीति के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हमें यह याद रखना है कि हमारी भूमिका पीड़ितों और उनके परिवारों की आध्यात्मिक और भावनात्मक भलाई के लिए उनके अनुभवों और चिंताओं के लिए धैर्य और करूणा के साथ सुनने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी समय मंत्रालय को दुर्व्यवहार करनेवालों की पेशकश करनी चाहिए ताकि हर पहलू हमारे समुदायों के भीतर एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के अनुरूप हो सके।

हम अब इस नीति को सभी देशों के सभी राष्ट्रीय जिम्मेदार व्यक्ति के साथ इस दस्तावेज़ को साझा करने की प्रक्रिया में हैं ताकि उनके सहयोग से यह नीति लागू किया जा सके। यह उत्तरी अमेरिकी परिप्रेक्ष्य से लिखा गया था, इसलिए हमें अन्य क्षेत्रों से सुनने की जरूरत है कि दुनिया के अन्य क्षेत्रों में क्या संभव है।

अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पैनिश में अवलोकन विवरण पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें।

ऊपर हमारे शुरूआती पृष्ठ पर सामान्य अनुवाद बटन हमारे एशियाई पाठकों को जापानी, कोरियाई या हिंदी में अवलोकन विवरण देते हैं।

नीति अपने आप में लम्बी है। अवलोकण विवरण के अलावा इसमें मुख्यतः 3 भाग हैं:

- **आचार संहिता** वैसे कमजोर वयस्कों या बच्चों को जिन्हे हम जानते नही है, के साथ बातचीत करने के उचित और अनुचित तरीकों के लिए व्यवहार संबंधी अपेक्षाओं का वर्णन करता है।
- **दुर्व्यवहार का निवारण** जो भर्ती, परामर्श, भर्ती, और IO-MLC प्रोग्रामिंग के लिए प्रशिक्षण प्रथाओं का वर्णन करता है और साथ ही साथ बच्चों में दुर्व्यवहार और उपेक्षा के संकेतों का वर्णन करता है; तथा
- **दुर्व्यवहार का जवाब** हमारे एम.एल.सी. सदस्य वास्तविक या संदिग्ध दुरूपयोग स्थितियों की रिपोर्ट को संभालने के लिए प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करते हैं।

पाठकों, आप इन सवालों के जवाब देकर इस नीति के अंतिम विकास में हमारी मदद कर सकते हैं:

- आप अपने एम.एल.सी. में इस नीति का उपयोग कैसे करेंगे?
- इस प्रकार की नीति के एम.एल.सी. में होने से क्या चुनौतियां आती हैं?
- एम.एल.सी. सदस्यों को सूचित और शिक्षित करने का इससे अच्छा तरीका क्या हो सकता है?

इन प्रश्नों के बारे में अपनी टिप्पणी और विचार मुझे यहाँ भेजें

clm.mlc.northamerica@marianistas.org.

हमारी अंतर्राष्ट्रीय संचालन मंडली आपसे यह सुनने के लिए उत्सुक है कि हमारा यह विषय एक महत्वपूर्ण विषय है। आपके सहयोग के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद!

मार्सेता

IO-MLC के लिए यौन शोषण पर बयान

अयाजक मरयानिष्ट की अंतर्राष्ट्रीय संस्था एक अंतर्राष्ट्रीय निजी संघ, मार्च 2000 (Prot. N. 450/00/S-61/B-98) से ही एक विश्वसनीय संघटित न्यायिक शख़्सियत के रूप में है। इसमें दुनिया भर में 6,077 व्यक्ति शामिल है, जिसमें 567 छोटे ईसाई समुदाय है। हमारा उद्देश्य सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और चर्च के नेता (अगुवे) की अगली पीढ़ी बनाना है। हमारे सदस्यों का जीवन मरियम की आध्यात्मिकता द्वारा निर्देशित है, विशेष रूप से प्रभु के लिए माँ मरिया के प्रशंसा भजन और काना की कहानी में व्यक्त किया गया है।

इस दृष्टिकोण को देखते हुए, यह आश्चर्य की बात बिलकुल भी नहीं है कि चर्च के प्रति हमारी दृष्टि पूरी तरह से माँ मरिया की गवाही से ओत–प्रोत है, जिसमें सदाचार सहानुभूति, पोषण, सम्मान, और साहस के गुण दृढ़ता से, साथ ही कार्य की स्वतंत्रता, कौशल और जीवन शैली समाहित है।

हमारा मरयानिष्ट परिवार भी एक दूसरे के साथ ''बराबरी के शिष्यों'' के रूप में एक–दूसरे के साथ पूरी साझेदारी में धार्मिक कार्य करने की अपनी अनूठी रचना के आधार पर एक विशेष योग्यता रखती है। हम परिवार की एक स्वायत्त शाखा के रूप में जिम्मेदारी को निभाना चाहते हैं और प्रोटोकॉल का पालन करना चाहते हैं तथा पारदर्शिता, विश्वास और समन्वय की भावना के साथ अन्य शाखाओं के साथ घनिष्ठ संबंध में काम करते हैं। हमारा मानना है कि चर्च के नेतृत्व और निर्णय लेने में भागीदारों के रूप में धर्मावलंबियों को सशक्त बनाने से, यौन दुर्व्यवहार, गलती छुपाने और सत्ता के अनुचित दुरूपयोग जैसी कुरितियों को रोका जा सकता है तथा काम में महत्त्वपूर्ण धर्मनिरपेक्ष विशेषज्ञता और पारदर्शिता आ सकती है।

बाकी चर्चों की तरह हम दुनिया भर में दुर्व्यवहार जैसे निंदनीय घटनाओं से बहुत परेशान हैं। कई वर्षों में बच्चों और कमजोर वयस्कों के दुर्व्यवहार और शिकार हमारे सदस्यों के बीच क्रोध और करूणा दोनों पैदा करते हैं। खासकर हैरान करने वाली या समस्या को छिपाने में चर्च के अधिकारियों की भूमिका विशेष रूप से चौंकाने वाली है।

अंत में हम विश्वसनीय स्वर से प्रार्थना करते है कि ईश्वर हमें धार्मिक वाणी और विनीत आत्मा प्रदान करे जिसके माध्यम से विश्वसनीय जन सक्रिय रूप से चर्च के भीतर सकारात्मक बदलाव लाने में भाग ले सके।

हमारे लक्ष्य हैं:

- शिक्षा का समर्थन और सभी प्रकार की हिंसा, क्षति या बच्चों और कमजोर वयस्क के साथ दुर्व्यवहार चाहे वह शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक रूप से कमजोर या लिंग विशेष भेदभाव हो, की रोकथाम करना है।
- दुर्व्यवहार से पीड़ित लोगों का समर्थन– शारिरिक, मानसिक, भावनात्मक, और यौन शोषण;
- सच्चाई की राह पर चलनेवाले पुरोहितों का समर्थन करना;
- काथलिक चर्च में सकारात्मक संरचनात्मक परिवर्तनों को आकार देने के लिए प्रतिज्ञाबद्ध जनों के सहयोग से काम करना।

शिक्षा का समर्थन और हिंसा की रोकथाम का मतलब है

- एक सुरक्षित और सहयोगी समुदाय बनाना, जो एक प्रेमपूर्ण वातावरण प्रदान करे जहाँ दुर्व्यवहार के खतरों के बारे में सतर्कता के साथ अवगत किया जा सके;
- हमारे पल्ली और समुदायों में चर्च मंत्रालयों की सहायता के लिए पादरियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को काम पर रखने तथा सुरक्षित भर्ती दिशानिर्देशों का पालन करना।
- हमारे पल्ली और समुदायों में चर्च मंत्रालयों की सहायता के लिए आचार संहिता की स्थापना और नाबालिकों और कमजोर वयस्कों के साथ उचित व्यवहार के लिए प्रशिक्षण;

उत्तरजीवी का समर्थन करने का मतलब है

- शामिल किए गए सभी कार्यों में सबसे पहले प्राथमिकता बच्चों और कमजोर वयस्कों के सर्वोत्तम हित में होना चाहिए;
- यौन शोषण पीड़ित लोगों की यात्रा में उनकी कहानियों, विचारों और अंतर्दृष्टि में सहभागी होना, उनके लिए उपचार के अवसर है।
- चर्च में दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करनेवाले के लिए सहायक व्यक्तियों के रूप में कार्य करना और सत्य की स्थापना में सहायता करने तथा जांच की दिशा में जांच समिति बैठाना;
- सभी पूर्व और वर्तमान में दुर्व्यवहार करनेवाले सभी विश्वसनीय अभियुक्तों के नाम जारी करने की वकालत करना;
- सभी नए मामलों को संभालने के दौरान प्रक्रियाओं और परिणामों के बारे में पारदर्शी होना।

अखण्डता के पुजारियों का समर्थन करने का मतलब है

- पुरोहितों और धर्मावलंबियों के बीच सहयोग और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना।
- उन पुरोहितों का सम्मान करना जो वचन और कर्म में, अपनी प्रतिज्ञा के लिए सैद्धांतिक नेतृत्व और वफादारी के साथ साहस और करूणा का प्रदर्शन करते हैं।

दुर्व्यवहार की घटनाओं को कम करने के लिए चर्च के भीतर संरचनात्मक परिवर्तन को आकार देने में मदद करने के लिए:

- दुर्व्यवहार के सभी मामलों की रिपोर्ट करें– शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और यौन शोषण के लिए उपयुक्त अधिकारी और धार्मिक अधिकारियों को;
- पीड़ितों पर दुर्व्यवहार के संकेतों और प्रभावों के बारे में धर्मावलंबियो और धार्मिको को शिक्षित करना;
- उन नीतियों और प्रक्रियाओं का समर्थन करना जो दुर्व्यवहार की घटनाओं को कम करते हैं।
- भविष्य में होनेवाले दुर्व्यवहार की घटनाओं को रोकने के लिए तथा वयस्कों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कारवाई और साक्ष्य–आधारित पाठयक्रम कार्यक्रम चलाकर।